**Title:** Regarding alleged exploitation of labourers of Food Corporation of Inida (FCI).

MR. SPEAKER: The House will now take up the 'Zero Hour'. Shri Rajesh Ranjan alias Pappu Yadav to raise his matter. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I request the hon. Members to tell whether I should go according to the list or not. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There should be some discipline in the 'Zero Hour' also. I am having the list here. I will go according to the list. Shri Rajesh Ranjan alias Pappu Yadav to speak now.

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) :** अध्यक्ष महोदय, मैं देश के मजदूरों के सवाल पर आज बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैंने उपभोक्ता और सार्वजनिक वितरण मंत्री जी से अपने पत्र का जवाब चाहा लेकिन उन्होने जवाब नहीं दिया। जब कांग्रेस के श्री कल्पनाथ राय केन्द्र में मंत्री थे, शायद आजादी के बाद वह पहले ऐसे मंत्री थे, जिन्होंने एक कानून के माध्यम से भारतीय खाद्य निगम ठेकेदारी प्रथा को खत्म करके मजदूरों को सीधे वेतन भुगतान की सुविधा प्रदान की। इससे मजदूर सीधे लाभान्वित हों, ऐसा प्रावधान कल्पनाथ जी ने किया था। मैंने कई बार हरियाणा के ढाण्ड डिपो के बारे में मंत्री महोदय से आग्रह किया। जटिया साहब यहां मौजूद हैं। उन्होंने मुझे कई पत्र लिखे। मंत्री महोदय ने एम.डी. साहब को बार-बार लिखा कि ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने के लिए कोई कदम उठाए जाएं और मजदूरों को डायरैक्ट वेतन भुगतान करने की व्यवस्था की जाए लेकिन एम.डी साहब का बार-बार एक ही जवाब आया कि डीपीएस करने की कोई योजना नहीं है जबकि ठेका उन्मूलन अधिनियम 1970 के तहत ठेकेदारी प्रथा खत्म करने की योजना थी। आजादी के इतने वर्षों बाद भी सभी मजदूरों पर ठेकेदार और बड़े-बड़े पूंजीपति ज्यादती और अत्याचार करते हैं। क्या ऐसे मजदूरों के बारे में सोचने वाली कोई सरकार इस देश में है या नहीं? क्या इसी तरह मजदूर जेलों में बंद होते रहेंगे? ढाण्ड डिपो में परसों 46 मजदूरों को बंद कर दिया गया। ठेकेदार उनका दमन कर रहे हैं, अत्याचार कर रहे हैं। ठेकेदारों ने अपनी पूंजी के लाभ के लिए ठेकेदारी प्रथा का लागू किया था। मेरा आपसे आग्रह है कि यह देश का एक महत्वपूर्ण सवाल है।

क्या मजदूर समाप्त हो जायेंगे? इसलिये मैं जटिया साहब से जानना चाहता हूं कि सरकार मजदूरों के अधिकारों तथा डी.पी.एस. के लिये क्या योजना बना रही है? अध्यक्ष महोदय, सम्पूर्ण देश के जितने इस तरह के मज़दूर हैं..

**अध्यक्ष महोदय** : यह डिबेट नहीं है। दूसरों ने भी नाम दिये हैं।

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव** : अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि इस मामले में आपका निर्णय हो। श्री जटिया साहब बैठे हुये हैं। डी.पी.एस. एक ऐसी चीज़ है जो मजदूरों का शोाण रोकती है। इसलिये मेरा आपसे आग्रह है कि इस पर नियमन दे दिया जाये। यह मजदूरों का सवाल है।

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठ जायें। आपने मामला उठा दिया है।

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव** : अध्यक्ष महोदय, परसों ढाण्ड डिपो के मजदूर गिरफ्तार कर लिये गये हैं। मेरा सरकार से आग्रह है कि...â€¦ (*Interruptions*)

**अध्यक्ष महोदय :** रोज़-रोज़ यही प्राब्लम है। सब लोग ज़ीरो ऑवर में नोटिस देते हैं और आपने तीन मिनट ले लिये हैं।

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव** : अध्यक्ष जी, मेरा लास्ट आग्रह है कि जो मज़दूर 20 वर्षों से वहां काम कर रहे हैं..उन्हें स्थाई किया जाए ।

MR SPEAKER : There are other Members also who want to raise important issues.

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव :** मेरा आग्रह है कि पलायन मजदूर जो 20 वर्षों से वहां काम कर रहे हैं, उन्हें न हटाया जाये, उन्हें स्थाई रूप से रखने की व्यवस्था की जाये।